भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2124

31.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्वास्थ्य अनुसंधान योजना को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना का विकास

2124. श्री बी. के. पार्थसारथीः

श्री केसिनेनी शिवनाथः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा देश में स्वास्थ्य अनुसंधान प्रोत्साहन के लिए अवसंरचना का विकास योजना के तहत इसकी शुरुआत से लेकर अब तक अनुमोदित कुल परियोजनाओं का राज्य-वार और वर्ष-बार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना की शुरुआत से लेकर अब तक आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) अनुमोदित परियोजनाओं की भौतिक स्थिति और योजना के तहत शुरू की गई/चालू परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा से संबंधित ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों, परिणामों तथा विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में हासिल की गई उपलब्धियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना के विकास हेतु केन्द्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के प्रावधानों के अनुसार, परियोजनाओं को इस योजना के अंतर्गत स्थापित बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों (एमआरयू) और मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) द्वारा स्थापित स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समितियों (एलआरएसी) द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

(ख) स्वास्थ्य अनुसंधान योजना को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना का विकास एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना (सीएसएस) है। इस योजना की निधियों का राज्य-वार आवंटन नहीं किया गया है। स्वास्थ्य

अनुसंधान विभाग को निधियां केन्द्रीय रूप से आवंटित की जाती हैं और स्वास्थ्य अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अवसंरचना के विकास हेतु विभाग द्वारा एमआरयू और एमआरएचआरयू को निधियां जारी की जाती हैँ।

(ग) अनुमोदित परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति और योजना के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा के बारे में विवरण अनुलग्नक-I में उपलब्ध है।

(घ) स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा प्राप्त परिणामों और शुरू किए गए प्रमुख पहलों का विवरण अनुलग्नक-II में उपलब्ध है

अनलग्नक – I

स्वीकृत परियोजनाओं की वास्तविक स्थिति के बारे में विवरण:

कुल स्वीकृत परियोजनाएं	4925
पूर्ण हुईं परियोजनाएं	1796
चालू परियोजनाएं	1801
ऐसी परियोजनाएँ जो अभी शुरू की जानी हैं	1282
शुरू करने के बाद वापस ली गई परियोजनाएँ	46

चालू परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समयसीमा:

निर्धारित समय-सीमा	परियोजनाओं की संख्या
1 वर्ष से कम	285
1 वर्ष से अधिक परंतु 2 वर्ष से कम	587
2 वर्ष से अधिक परंतु से 3 वर्ष से कम	619
3 वर्ष और उससे अधिक	310
कुल	1801

अनुलग्नक – II

पिछले 3 वर्षों (2023-24 से 2025-26) के दौरान प्राप्त परिणामों का विवरण:

एमआरयू		**एमआरएचआरयू**	
पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएं	1100	पूर्ण हुईं अनुसंधान परियोजनाएं	158
प्रकाशन	687	प्रकाशन	140
नई प्रौद्योगिकियां/प्रक्रियाएं/ प्रदान किए गए पेटेंट। नैदानिक/सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देश में प्रयुक्त अनुसंधान	16	परियोजनाएं जिनकेकारण नैदानिक प्रक्रिया बनी /नीतिगत परिवर्तन हुए	14

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग द्वारा की गई प्रमुख पहलें:

1. एमआरयू के कार्य निष्पादन मूल्यांकन के पश्चात 08 उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले एमआरयू को अतिरिक्त निधियां, जनशक्ति और प्रयोगशाला उपकरण प्रदान करके अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र (सी.ओ.आर.ई.) के रूप में उन्नयन किया गया था। सी.ओ.आर.ई. उच्च गुणवत्तावाले अत्याधुनिक अनुसंधान करने में सक्षम हैं।
2. 05 निजी मेडिकल कॉलेजों में एमआरयू स्थापित किए गए थे।
3. राष्ट्रीय परिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण जैसे राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के अलावा प्रमुख स्वास्थ्य संकेतकों को प्राप्त करने के लिए एमआरएचआरयू उप-योजना के तहत वार्षिक जनसंख्या आधारित स्वास्थ्य सर्वेक्षण शुरू किया गया है।

*****